भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 153

उत्तर देने की तारीख 18 जुलाई, 2018

बुधवार, 27 आषाढ़, 1940 (शक)

कौशल भारत योजना के तहत प्रशिक्षण लक्ष्य

153. श्री संजय सिंहः

क्या **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि कौशल भारत मिशन के तहत 2022 तक 40 करोड़ से ज्यादा लोगों को प्रशिक्षित किया जाना था;

(ख) क्या यह भी सच है कि 2019 तक 52 लाख लोगों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था;

(ग) यदि हां, तो अभी तक प्रशिक्षित व्यक्तियों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि हां, तो इस योजना के तहत नौकरी-प्राप्ति की दर मात्र 18 प्रतिशत होने के क्या कारण हैं?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री

(श्री अनंतकुमार हेगड़े)

(क) से (ग) राष्ट्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता नीति में 2015-2022 तक देश में कुल कौशलीकरण आवश्यकता का अनुमान लगभग 40 करोड़ लगाया गया था। माननीय प्रधानमंत्री ने देश में विभिन्न प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रम उपलब्ध कराने के लिए 15.07.2015 को राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन (एनएसडीएम) की स्थापना की थी। एनएसडीएम के अंतर्गत 2015-16, 2016-17, 2017-18 तथा 2018-19 (जून 2018 तक) में क्रमश: 104.16, 89, 88.55 तथा 16.89 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया था।

(घ) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) (2015-16) में प्रशिक्षण भागीदारों के रोजगार आंकड़े प्रस्तुत करना अनिवार्य नहीं था। किंतु पीएमकेवीवाई (2016-20), जिसका आरंभ 02 अक्तूबर, 2016 से हुआ है, के अंतर्गत तैनाती पर निगरानी रखना अनिवार्य है। इन वर्षों में पीएमकेवीवाई द्वारा कार्यान्वित राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के अंतर्गत विभिन्न प्रशिक्षण भागीदारों द्वारा 50 प्रतिशत से अधिक नौकरी देने का लक्ष्य पूरा

किया गया है। पीएमकेवीवाई में जॉब समूहन प्रयासों, कैरिअर मेलों, जॉब पोर्टलों तथा तैनाती को भुगतान से जोड़ने जैसे प्रयासों से तैनाती में काफी सुधार हुआ है। 2015 में कराए गए एक अध्ययन के अनुसार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) से उत्तीर्ण हुए 63.5 प्रतिशत प्रशिक्षार्थियों को नौकरी प्राप्त हुई है।

तथापि, तैनाती संबंधी वास्तविक प्रतिशत काफी ज्यादा होगा, क्योंकि प्रमाणन तथा जॉब और स्व-रोजगार के बीच लगने वाले समय के कारण बहुत सारी तैनाती को ट्रैक नहीं किया जा सका। इसके अलावा, कुछ उम्मीदवारों ने जॉब प्रस्ताव की अपेक्षा उच्च शिक्षा का चयन किया था।

****